झारखंड में 'ढाका' लिखा हुआ घायल गिद्ध मिला

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **झारखंड के हज़ारीबाग ज़िले** में एक बाँध में एक **लुप्तप्राय सफेद पीठ वाला** [गिद्ध]() घायल अवस्था में पाया गया। गिद्ध के **एक पैर में धातु की अँगूठी** थी, **जिस पर 'ढाका' शब्द लिखा** हुआ था।

मुख्य बिंदु

- पुलिस को संदेह है कि ढाका के **पक्षी शोधकर्त्ता जॉन मालोट**, जो **ब्रिटेन स्थित रॉयल सोसाइटी फॉर प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स** से जुड़े हैं, ने ढाका से झारखंड तक पक्षी की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिये गिद्ध को [सौर ऊर्जा चालित रेडियो ट्रैकिंग कॉलर]() पहनाने के बाद उसे छोड़ दिया।

सफेद पीठ वाला भारतीय गिद्ध

- वे मध्यम आकार के, गहरे रंग के गिद्ध हैं।
- **वैज्ञानिक नाम:** *?????? ??????????? Gyps bengalensis*
- **वितरण:** पाकिस्तान, भारत, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्याँमार (बर्मा), थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया और दक्षिणी वियतनाम।
- **निवास स्थान:** ज़्यादातर मैदानी इलाकों में और कम बार पहाड़ी इलाकों में पाए जाते हैं। खेती के नज़दीक के गाँवों तथा शहरों में भी देखे जा सकते हैं।
- **विशेषताएँ:**
    - वयस्क **75 से 85 सेमी. लंबे** होते हैं।
    - **गरदन पर सफेद रफ, दुम और पंखों के नीचे का आवरण।**
    - वयस्कों का रंग काला होता है, जबकि युवा भूरे रंग के होते हैं।
    - उनके **पंखों का फैलाव** 180 से 210 सेमी. होता है।
    - वज़न: 3.5 से 7.5 किलोग्राम तक होता है।
    - [**IUCN स्थिति**](): गंभीर रूप से लुप्तप्राय

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/injured-vulture-with-dhaka-inscription-found-in-jharkhand